विश्व मगरमच्छ दिवस और मगरमच्छ संरक्षण परियोजना के 50 वर्ष

[स्रोत: द हिंदू](#)

[विश्व मगरमच्छ दिवस (17 जून)](#) पर, भारत अपने **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना (CCP) (1975-2025) के 50 वर्ष पूरे होने** का स्मरण करता है, जिसमें ओडिशा इस अग्रणी पारिस्थितिक प्रयास का केंद्र बनकर उभरा है।

- **ओडिशा एकमात्र ऐसा भारतीय राज्य** है, जहाँ सभी तीन देशी मगरमच्छ प्रजातियों **घड़ियाल** (*▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯*), **मगरमच्छ** (*▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯*) **तथा खारे पानी के मगरमच्छ** (*▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯*)) की **जंगली आबादी** पाई जाती है।
- **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना:** भारत ने **[संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम](#) और [खाद्य एवं कृषि संगठन](#)** के सहयोग से ओडिशा के **[भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में मगरमच्छ संरक्षण परियोजना](#)** का शुभारंभ किया।
- **इसने "रियर एंड रिलीज़" पद्धति को अपनाया,** [भितरकनिका और सतकोसिया टाइगर रिज़र्व](#) **जैसे संरक्षित आवासों का निर्माण किया तथा बंदी प्रजनन और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा दिया, जिससे यह मगरमच्छ संरक्षण के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन गया है।**
- **मगरमच्छ**: ये **सबसे बड़े जीवित** सरीसृप हैं, जो मुख्य रूप से **मीठे पानी के दलदलों, झीलों और नदियों** में रहते हैं, जिनमें एक **खारे पानी की प्रजाति भी शामिल** है।
  - वे **[रात्रिचर](#)** और **[पोइकिलोथर्मिक](#)** (**बाह्यउष्मा** या शीत-रक्त वाले जानवर भी कहलाते हैं तथा इनके शरीर का तापमान आसपास के वातावरण के साथ बदलता रहता है) होते हैं।
  - उनके अस्तित्व को आवास विनाश, अंडों का शिकार, अवैध शिकार, बाँध निर्माण तथा रेत खनन से खतरा है।
- **जनसंख्या:** भारत में वैश्विक जंगली घड़ियाल आबादी का लगभग 80% हिस्सा रहता है, जिसमें **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, [कतर्नियाघाट और सोन घड़ियाल अभयारण्य](#)** जैसे स्थलों में लगभग 3,000 व्यक्ति हैं।
  - खारे पानी के मगरमच्छों की **आबादी बढ़कर लगभग 2,500** हो गई है, जो मुख्य रूप से **भितरकनिका, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और सुंदरबन** में हैं।

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

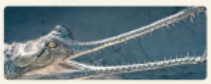

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	▪ ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार ▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 ▪ मगर संरक्षण कार्यक्रम ▪ मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

और पढ़ें: विश्व मगरमच्छ दिवस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/50-years-of-crocodile-conservation-project-and-world-crocodile-day